डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर परिसंवाद एवं कवयित्री सम्मिलन का आयोजन

स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर नई पीढ़ी को ख़ौफ न दें– नासिरा शर्मा

नई दिल्ली। 8 मार्च 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर परिसंवाद एवं कवयित्री सम्मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वक्तव्य प्रख्यात हिंदी लेखिका नासिरा शर्मा ने दिया। उन्होंने कहा कि महिला लेखन केवल महिलाओं द्वारा न लिखा जाए बल्कि उसमें सभी की भागीदारी होनी चाहिए। हमें नई पीढ़ी तक जो भी विचार पहुँचाने हैं उनमें एक संतुलन और संजीदगी होनी चाहिए। आज के साहित्य से पाठकों को जीने की ताकत नहीं मिल रही है, इसीलिए लोग साहित्य से विमुख होते जा रहे हैं। अतः हमें ऐसे साहित्य को रचना होगा जिसमें जीवन के सभी संघर्ष शामिल हो न कि केवल वही संघर्ष जो 'स्त्री–विमर्श' के नाम पर पैदा किए जा रहे हैं। उन्होंने महिला लेखकों के पास कलम, संवेदना, दृष्टि और निरीक्षण शक्ति की ताकत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके सहारे ही वे पुरुषों की दुनिया में अपनी बराबरी का दर्जा ले पाएँगी। उन्होंने महिलाओं द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर कहा कि इन उपलब्धियों के साथ जो अंधेरे हमारे जीवन में आए हैं उनको भी जानने समझने की जरूरत है। लैंगिक समानता के लिए पुरुषों को भी आगे आना होगा केवल महिलाएँ अकेले यह लड़ाई कभी नहीं जीत सकती। स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर केवल 'बलात्कार' या 'यौन हिंसा' ही नहीं बल्कि अन्य सामाजिक विसंगतियों की तरफ भी ध्यान देना जरूरी है नही तो हम नई पीढ़ी में केवल ख़ौफ ही पहुँचाएँगें।

बीज वक्तव्य देते हुए प्रख्यात कन्नड लेखिका कृष्णा मनवल्ली ने भूमंडलीकरण में महिलाओं की स्थिति पर अपने विचार रखें। उन्होंने भूमंडलीकरण और आधुनिकता के बीच संतुलन की जरूरत के बारें में बताते हुए कहा कि अन्यथा यहाँ स्त्री को खुद बाजार के हाथों बिक जाने की संभावना रहेगी। वर्तमान परिदृश्य में उन्होंने महिलाओं के आर्थिक शोषण और मीडिया द्वारा उनकी गलत छवि प्रस्तुत करने पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने शशि देशपांडे और महाश्वेता देवी के लेखन के उदाहरण देते हुए अपने तर्क प्रस्तुत किए। इससे पहले साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अपने स्वागत भाषण में साहित्य अकादेमी द्वारा महिला लेखन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारें में जानकारी देते हुए कहा कि महिलाएँ घर के साथ देश की भी रीढ़ हैं अतः उनका हर स्तर पर सम्मान किया जाना आवश्यक है। स्थितियाँ बदली जरूर है किंतु अभी और भी आगे जाना है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात गुजराती लेखिका वर्षा अडालजा ने की और अरूपा पतंगिया कलिता (असमिया), साम्राज्ञी बंधोपाध्याय (बाङ्ला), कुमुद शर्मा (हिंदी), कुमद शर्मा (हिंदी) ने अपने आलेख प्रस्तुत किए।

अपराह्न 2.00 बजे के सत्र में के. आर. मीरा की अध्यक्षता में हेमा नायक (कोंकणी), गायत्रीबाला पंडा (ओड़िया), प्रतिभा (पंजाबी) एवं सिंधु मिश्रा (सिंधी) अपने आलेख प्रस्तुत किए। इसके बाद ममता कालिया की अध्यक्षता में कवयित्री सम्मिलन आयोजित हुआ।

ह./–
(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in